कोटद्वार, बुधवार
14 फरवरी 2024
वर्ष: 45
अंक: 281 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

खाई में गिरा वाहन, पिता की मौत, बेटा घायल

रुद्रप्रयाग : बांसवाड़ा-मोहनखाल मोटर मार्ग पर एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि 6 साल का बालक घायल हो गया। सूचना पर डीडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू कर घायल को अस्पताल पहुंचाया जबकि मृतक का शव भी खाई से निकाल दिया गया। जानकारी के अनुसार बीते रात बांसवाड़ा-मोहनखाल मोटर मार्ग स्थान अखोडी भणज के समीप एक वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया है। वाहन में राकेश सिंह पुत्र कुंवर सिंह निवासी बलसुडी अखोडी की मौत हो गई जबकि उसका 6 वर्षीय बेटा रुद्र सिंह पुत्र राकेश सिंह घायल हो गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि सूचना मिलते ही जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र द्वारा डीडीआरएफ और एसडीआरएफ टीम को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया। रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर खाई से मृतक राकेश सिंह का शव बरामद कर लिया जबकि घायल रुद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि पहुंचाया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है। (एजेंसी)

ग्रामीणों ने दी लोकसभा चुनाव बहिष्कार की चेतावनी

चमोली : कर्णप्रयाग विकास खंड के किमोली ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने सड़क की मांग पूरी न होने पर आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को किमोली ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी कर्णप्रयाग के माध्यम से जिलाधिकारी चमोली को ज्ञापन भेजा। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क न होने के कारण उन्हें दो किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा है। गांव में सड़क बनाने की मांग लगातार की जा रही है। ग्रामीण पान सिंह पुंडीर ने कहा कि सड़क से दो किलोमीटर पैदल दूरी नापकर गांव पहुंचते है। जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुष्कर सिंह ने कहा कि स्कूली बच्चों को जूनियर हाईस्कूल पहुंचने के लिए तीन किलोमीटर पैदल दूरी तय कर उमासैण तक जाना पड़ता है। इंटरमीडिएड पढ़ने के लिए 6 किलोमीटर पैदल चल कर नैनीसैण पहुंचना पड़ता है। (एजेंसी)

गौचर में नन्दा गौरा महोत्सव 15 को

चमोली : महिला स्वयं सेवी संस्थाओं से जुड़ी महिलाओं समेत सभी नारी शक्ति को सम्मान देने को लेकर 15 फरवरी को गौचर मैदान में नन्दा गौरा महोत्सव का आयोजन होगा। इसके लिए मेजबान चमोली प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। प्रदेश के अन्य जिलों में अब तक आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं जुटीं है। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने नन्दा गौरा महोत्सव को लेकर नोडल अधिकारियों की बैठक भी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि नंदा गौरा महोत्सव की सभी तैयारियां समय पर पूर्ण की जाए। कार्यक्रम में प्रतिभागियों के लिए भोजन, पानी, शौचालय सहित वाहनों की पार्किंग व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने हेतु पुख्ता इंतेजाम सुनिश्चित किया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चमोली जिले की महिला स्वयं सहायता समूहों की हस्तकला और उद्यम का सम्मान किया है। भोज पत्र पर लेखन और चित्रकारी की सरहाना की है। चमोली प्रशासन महिलाओं को भोज पत्र पर कैलिग्राफी का प्रशिक्षण दे भी रहा है। साथ ही रांच पर बनते पारम्परिक वस्त्र कालीन को भी पुनर्जीवित किया जा रहा है। माना जा रहा है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी महिला स्वयं सहायता समूहों के बीच भोज पत्र की कैलिग्राफी कला और रांच पर बनाये जाने वाले वस्त्र और कालीन बनाने की कला भी देखेंगे। (एजेंसी)

तेजस्वी यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, राजद नेता के खिलाफ मानहानि मामले को किया रद्द

नई दिल्ली ,एजेंसी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गुजराती ठग बयान मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तेजस्वी यादव को बड़ी राहत दी है और उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि शिकायत रद्द कर दी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने तेजस्वी यादव की उस याचिका पर अपना फैसला सुनाया, जिसमें उन्होंने कथित 'केवल गुजराती ही ठग हो सकते हैं' टिप्पणी को लेकर अहमदाबाद की एक अदालत में उनके खिलाफ लंबित आपराधिक मानहानि शिकायत को राज्य के बाहर किसी स्थान पर विशेषकर दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग की थी।

केन्द्रीय मंत्री ने टनकपुर में 2217 करोड़ की 8 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का किया शिलान्यास

गडकरी बोले, उत्तराखंड के विकास के लिए प्रतिबद्ध

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को टनकपुर में 2217 करोड़ की 8 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर टनकपुर के गांधी मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा तैयार करने के उद्देश्य से न केवल सड़कों और राजमार्गों का काम चल रहा है, बल्कि लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 87 विस्तार पर दीवारों का भी निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बागेश्वर जिले में सरयू और गोमदी नदी पर दो पुलों की मरम्मत का कार्य भी 5 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। इन परियोजनाओं से न केवल पर्यटकों को लाभ होगा बल्कि स्थानीय लोगों के लिए भी आवागमन आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा पर्यावरण को कोई नुकसान पहुंचाए बिना स्थानीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। श्री गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हम उत्तराखंड के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि काठगोदाम से नैनीताल सड़क को 2-लेन पेव्ड शोल्डर के साथ चौड़ा करने से नैनीताल-मानसखंड मंदिरों तक कनेक्टिविटी में सुधार होगा। काशीपुर से रामनगर रोड के 4-लेन चैड़ीकरण से पर्यटकों के लिए जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क और मानसखंड मंदिरों तक पहुंचना आसान हो जाएगा। कांगारछीना से अल्मोडा मार्ग के 2 लेन चैड़ीकरण से न केवल बागेश्वर जाने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी बल्कि उनका समय भी बचेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग 309ए पर उडियारी बैंड से कांडा मार्ग के 2-लेन चैड़ीकरण और पुनर्वास से बागेश्वर में बागनाथ और बैजनाथ मंदिरों तक पहुंच आसान हो जाएगी। साथ ही बागेश्वर से पिथौरागढ़ तक का कठिन सफर बेहतर, सुरक्षित और समय की बचत होगी। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि विगत 10 वर्षों में भारत का कायाकल्प हुआ है। दुनिया आज भारत का लोहा मान रही है। सांसद अजय टम्टा ने अल्मोड़ा संसदीय क्षेत्र में किये जा रहे विभिन्न विकास कार्यों के साथ ही चारधामों एवं मानसखंड मंदिर माला को जोड़ने हेतु बनाई जा रही सड़क परियोजनाओं एवं प्रस्तावित परियोजनाओं के बारे में अवगत कराया। इस मौके पर विधायक काशीपुर त्रिलोक सिंह चीमा, प्रदेश मंत्री हेमा जोशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति राय, भाजपा जिलाध्यक्ष निर्मल महर, मुख्य अभियंता सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय डीके शर्मा, जिलाधिकारी नवनीत पाण्डे, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति समेत विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डबल इंजन सरकार हर लाभार्थी तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध : धामी

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुमाऊं क्षेत्र के लिए 2217 करोड़ रुपये की 8 महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास करने पर केंद्रीय मंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा कि मेरे लिए इन सभी परियोजनाओं का भूमि पूजन होना इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस क्षेत्र के विधायक के रूप में मैंने इन योजनाओं के भूमि पूजन का जो स्वप्न देखा था वह स्वप्न आज पूर्ण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार हर लाभार्थी तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य हर नागरिक का जीवन आसान बनाने का है और हम अपने इस प्रयास में सफल हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करना हमारी प्राथमिकता है। हम निरंतर इस दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। हमारी सड़कें विकास की द्योतक हैं, ये वो पथ है जिस पर आगे बढ़कर सर्वश्रेष्ठ उत्तराखंड का स्वप्न साकार होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में प्रदेश में जिस स्तर पर सड़कों का निर्माण कार्य किया जा रहा है वह अभूतपूर्व है। राज्य में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व लोक निर्माण विभाग द्वारा मिलकर अनेक परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमने चार धाम सड़क परियोजना की ही तरह मानसखंड कॉरिडोर को भी राज्य का फ्लैगशिप प्रोजेक्ट तय कर इस पर कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। हम प्रदेश में केवल नए मार्गों का ही निर्माण नहीं कर रहे बल्कि इन पर आवाजाही को सुरक्षित करने पर भी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सीमांत इलाकों तक सड़कों का नेटवर्क बन रहा है। सामरिक दृष्टि से अतिमहत्वपूर्ण इस सड़क नेटवर्क की जरुरत वर्षों से महसूस की जा रही थी और आज डबल इंजन की सरकार दशकों से लंबित कार्यों को पूर्ण करने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जनसेवा को ध्येय मान कर कार्य कर रही है और हमारा लक्ष्य उत्तराखंड का सर्वांगीण विकास है। प्रधानमंत्री की अपेक्षा के अनुरुप हम उत्तराखण्ड को प्रत्येक क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील हैं। हम जन-जन की आशाओं और आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ दिन रात निरंतर कार्य कर रहे हैं। जबकि पूर्व की सरकारों ने वादों को

कण्वाश्रम को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है सरकार : महाराज

चक्रवर्ती सम्राट महाराज भरत की मूर्ति के निर्माण हेतु 79.74 लाख की मिली वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कण्वाश्रम को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। इसके पुर्णोद्धार के लिए शीघ्र ही योजनाएं धरातल पर उतारी जायेंगी। राज्य सरकार द्वारा कण्वाश्रम में चक्रवर्ती सम्राट महाराज भरत की मूर्ति के निर्माण हेतु 79.74 लाख की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। पहले चरण में 47,84,400.00 रूपये स्वीकृत किए गए हैं।

उक्त बात प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने मंगलवार को चक्रवर्ती सम्राट भरत की जन्मभूमि, महर्षि कण्व की तपस्थली कण्वाश्रम में आयोजित "कण्वाश्रम महोत्सव" में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग करते हुए कही। "कण्वाश्रम महोत्सव" में उपस्थित लोगों को कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने बसंतोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत के प्राचीनतम विश्वविद्यालय और महर्षि कण्व की तपस्थली कण्वाश्रम कोटद्वार भाबर क्षेत्र एक प्रमुख ऐतिहासिक एवं पौराणिक

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती रितु खण्डूड़ी।

केंद्र है। यह शिवालिक की तलहटी में मालिनी नदी के दोनों तटों पर स्थित छोटे-छोटे आश्रमों का प्रख्यात विद्यापीठ रहा है। प्राचीन काल में यहां उच्च शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा थी। श्री महाराज ने कहा कि कण्वाश्रम, कण्व ऋषि का वही आश्रम है जहां हस्तिनापुर के राजा दुष्यन्त तथा शकुंतला के पुत्र भरत का जन्म हुआ था। यह लगभग 3500 साल पुराना है, जो ऋषि वशिष्ठ और महर्षि ऋषि कण्व का आश्रम हुआ करता था। जिसका उल्लेख कई पुराणों और ग्रंथों में मिलता है। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि कण्वाश्रम महोत्सव आयोजन समिति कण्वाश्रम की ऐतिहासिक महत्ता, लोकप्रियता के दृष्टिगत प्रतिवर्ष बसंती पंचमी के शुभ अवसर पर कण्वाश्रम महोत्सव का आयोजन करता रहा है। इस बार इस आयोजन में बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों का समागम किया गया है। इस बार राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक दलों को भी इस महोत्सव में आमंत्रित किया गया है जो कि प्रशंसनीय है। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक एवं विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती रितु खण्डूड़ी, आयोजन समिति के अध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, योगीराज विश्व पाल जयंत, मेला संयोजक मंजुल डबराल, वीरेन्द्र भारद्वाज, पार्षद सौरभ नौटियाल, मनीष भट्ट, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष रामेश्वरी देवी, नगर अध्यक्ष नीना बैंजवाल, शशिबाला केष्टवाल, बीना रावत, सिमरन बिष्ट, रानी नेगी आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

मौसम ने फिर बदली करवट, छाए बादल

रुद्रप्रयाग : बीते कुछ दिनों अच्छी धूप के बाद मंगलवार को मौसम ने फिर करवट बदल ली है। माघ महीना खत्म होते ही मौसम बदलने लगा है। आसमान ऐसा ही रहा तो आने वाले दिनों में बारिश की भी संभावना जताई जा रही है। रुद्रप्रयाग से केदारनाथ धाम तक मंगलवार को आसमान में बादल छाए रहे जिससे लोगों को ठिठुरन का अहसास हुआ। इस बार फरवरी माह में बारिश और बर्फबारी होने से प्रकृति के साथ ही आम जन मानस को कुछ राहत मिली है। हालांकि आज बसंत पंचमी से ऋतुराज बसंत का भी आगमन हो रहा है। जिससे प्रकृति में सुंदरता देखने को मिलेगी किंतु फिर बारिश और बर्फबारी हुई तो प्रकृति में और भी निखार आ जाएगा। मंगलवार को मुख्यालय सहित जनपद के सभी निचले इलाकों में आसमान में बादल छाए रहे। धूप काफी हल्की रही जिससे लोगों को ठंड का सामना करना पड़ा।

वहीं केदारनाथ धाम सहित हिमालय के सभी ऊंचे स्थानों पर भी आसमान में बादल छाए रहे। उम्मीद की जा रही है कि यदि मौसम इसी तरह रहा तो आने वाले दिनों में फिर बारिश और बर्फबारी देखने को मिल सकती है। (एजेंसी)

केंद्र में सरकार बनी तो बनाएंगे कानून, किसान आंदोलन के बीच राहुल गांधी का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र में इंडी गठबंधन की सरकार बनते ही विभिन्न फसलों के लिए एमएसपी की गारंटी वाला कानून बनाया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (टरढ) की देश भर के किसानों की लंबे समय से लंबित मांग है और सत्ता में आने पर सबसे पहले किसानों की इस मांग को पूरा किया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा, "किसान भाइयों आज ऐतिहासिक दिन है। कांग्रेस ने हर किसान को फसल पर स्वामीनाथन कमीशन के अनुसार एमएसपी की कानूनी गारंटी देने का फैसला लिया है। यह कदम 15 करोड़ किसान परिवारों की समृद्धि सुनिश्चित करके उनका जीवन बदल देगा।कांग्रेस की गारंटी।"

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, "मोदी सरकार किसानों की आवाज़ पर लगाम लगा रही है। किसान के हित में एमएसपी को क़ानूनी दर्जा दिया जाएगा।" इस बीच कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जब भी इतिहास लिखा जाएगा, तब मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल को किसानों के खिलाफ क्रूरता, बर्बरता, दमन और दंशकाल के रूप में जाना जाएगा। किसानों की आवाज को दबाने के लिए भाजपा सरकार ने देश की राजधानी दिल्ली को 'पुलिस छावनी' में तब्दील कर दिया है, जैसे किसी दुश्मन ने दिल्ली की सत्ता पर हमला बोल दिया हो। दिल्ली के चारों तरफ, खासतौर से हरियाणा और दिल्ली बॉर्डर पर मंजर क्या है।

उन्होंने किसानों को रुक जाने को

कंटीले तारों से रोकने की बजाय किसानों से बात करें मोदी, देश के अन्नदाता से ऐसा व्यवहार सही नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि अपनी मांगों को लेकर दिल्ली कूच कर रहे किसानों को सडक़ पर किलेबंदी कर और कंटीले तार लगाकर रोकने की बजाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसानों से मिलकर उनकी बात सुननी चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि दिल्ली आ रहे किसानों को बंदूक के बल पर और तानाशाही करके रोका नहीं जाना चाहिए, बल्कि उनकी मांगों पर विचार किया जाना चाहिए और खुद श्री मोदी को उनसे बात करनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि कंटीले तार, ड्रोन से आंसू गैस, कीलें और बंदूकें ज् सबका है इंतज़ाम, तानाशाही मोदी सरकार ने किसानों की आवाज़ पर जो लगानी है लगाम।

याद है न आंदोलनजीवी व परजीवी कहकर किया था बदनाम और 750 किसानों की ली थी जान। दस सालों में मोदी सरकार ने देश के अन्नदाताओं से किए गए अपने तीन वादे तोड़े हैं – 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी,स्वामीनाथन रिपोर्ट के मुताबिक़ इनपुट कॉस्ट के साथ 50 प्रतिशत एमएसपी लागू करनाऔर एमएसपी को लेकर सरकार से सवाल किया और कहा कि दिल्ली की सत्ता में बैठे क्रूर और अहंकारी सत्ताधारियों से हमारे सवाल–क्या देश के अन्नदाता न्याय मांगने दिल्ली नहीं आ सकते। क्या सरकार मानती है कि किसान दिल्ली की सत्ता पर कब्जा करना चाहते हैं। देश के अन्नदाता प्रधानमंत्री और देश की सरकार से न्याय न मांगे, तो कहां जाएं। जब किसान आंदोलन पूरी तरह शांतिप्रिय है, तो फिर किसान की राह में कीलें और कंटीली तारें क्यों। मोदी सरकार ने 18 जुलाई, 2022 को तीन काले कानून वापस लेने के बाद किसानों से एमएसपी के लिए कानून बनाने का वादा किया था। किसान मोदी सरकार से इस वादे की गारंटी क्यों न मांगे। क्या सरकार को देश की मिट्टी का दर्द और आत्महत्या करते अन्नदाताओं की वेदना सुनाई नहीं देती। कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस किसानों के न्याय की मांग का समर्थन करती है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और राहुल गांधी जी भी किसान न्याय की लड़ाई लड़ रहे हैं। हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री जी खुद किसानों से बात करें और उन्हें न्याय दें।

राकांपा विवाद: पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने चुनाव आयोग के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें उनके भतीजे और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार गुट को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ ही इस पार्टी का चुनाव चिन्ह 'घड़ी' का वास्तविक हकदार घोषित किया गया था। अजीत पवार गुट ने इससे पहले सात फरवरी को शीर्ष अदालत में एक 'केवियट' याचिका दायर की थी, जिसमें गुहार लगाई है कि शरद पवार गुट की ओर से यदि चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी जाती है तो उनका (अजीत गुट) पक्ष भी सुना जाना चाहिए। उन्होंने अपनी याचिका में कोई एकतरफा आदेश नहीं पारित करने की गुजारिश की है।

चुनाव आयोग ने छह फरवरी 2024 को अजीत पवार गुट को वास्तविक एनसीपी घोषित करते हुए चुनाव चिन्ह 'घड़ी' का निशान का हकदार बताया था। अजीत पवार ने पार्टी के कई अन्य विधायकों के साथ पिछले साल महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में शामिल हुए थे।

अजीत पवार गुट ने चुनाव आयोग के समक्ष पेश हलफनामे में एनसीपी के कुल 81 विधायकों में से 57 का समर्थन हासिल होने का दावा किया था, जबकि शरद पवार गुट के साथ मात्र 28 विधायकों का साथ होने की बात कही गई।

आयाराम पार्टी बन गई है बीजेपी, एक समय आएगा जब कांग्रेस नेता होंगे भाजपा अध्यक्ष: उद्धव ठाकरे

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख एवं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब आयाराम पार्टी बन गई है और एक समय आयेगा जब कांग्रेस के नेता इसके अध्यक्ष होंगे। उद्धव ठाकरे ने टीवी सेंटर में सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अशोक चव्हाण नेता नहीं बल्कि एक डीलर हैं और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने नांदेड़ में उनके साथ डील की थी। उन्होंने कहा "अगर नरेंद्र मोदी भाजपा में चव्हाण को राज्यसभा सीट दे रहे हैं तो हम भी यही सोचेंगे कि उन्होंने (मोदी) शहीदों का अपमान किया है, क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने चव्हाण पर शहीदों का अपमान करने का आरोप लगाया था। जब मेरे कार्यकर्ता मारे जा रहे थे तो क्या गृह मंत्री सो रहे थे?" उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में ऐसा अपराध कभी नहीं देखा।

उन्होंने फड़णवीस की आलोचना करते हुए कहा," अब उनकी तुलना किसी जानवर से करना उस जानवर का अपमान होगा।" अब्दुल सत्तार का नाम लिए बिना उन्होंने कहा "अगर हम सत्ता में आये तो उन्हें जेल में डाल देंगे। मेरी पार्टी के वफादार कार्यकर्ता गद्दारों को

नहीं छोड़ेंगे और आने वाले चुनाव में सबक सिखाये बिना नहीं रहेंगे। भाजपा के पास हिंदुत्व के नकली बीज हैं, लेकिन हमारे पास असली लोग हैं।"उद्धव ठाकरे ने पीएम मोदी पर भारत रत्न का बाजार खड़ा करने का आरोप लगाते हुए कहा, " पंद्रह दिनों के अंदर पांच लोगों को भारत रत्न घोषित कर दिया गया। जिन राज्यों में वोट पाने के लिए ऐसे फैसले दिए गए। हमें स्वामीनाथन को भारत रत्न देने पर गर्व है।" उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कर भुगतान में हिस्सेदारी बढ़ाइए, फिर देखिए कैसे विकास नहीं होता है। उन्होंने कहा," अगर केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार चुनी गई तो हमें एक रुपए पर 25 से 50 पैसे का रिटर्न मिलेगा।'

सुप्रीम कोर्ट में भी सुनाई दी किसान आंदोलन की गूंज, सीजेआई बोले– दिक्कत हो रही है तो बताएं...

नई दिल्ली ,एजेंसी। किसानों के दिल्ली कूच की गूंज अब सुप्रीम कोर्ट तक भी सुनाई दे रही है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने डी वाई चंद्रचूड़ ने संज्ञान लेते हुए कहा कि अगर किसी भी वकील को आवाजाही की वजह से दिक्कत हो रही है। हम उस हिसाब से समय में बदलाव करेंगे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आदिश अग्रवाल ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को एक पत्र लिखा है। उन्होंने दिल्ली में प्रवेश करने की कोशिश करने वाले किसानों के खिलाफ उपद्रव पैदा करने और नागरिकों के जीवन को परेशान करने का आरोप लगाते हुए संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करने के मांग की है। साथ ही, उन्होंने सीजेआई से अदालतों को निर्देश जारी करने का भी अनुरोध किया कि अदालतों के समक्ष वकीलों की गैर–मौजूदगी के कारण कोई प्रतिकूल आदेश पारित न किया जाए।आदिश अग्रवाल ने कहा, मैं आपके ध्यान में लाने के लिए यह पत्र लिखने के लिए मजबूर हूं कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए भारत सरकार के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, कुछ किसान उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब से दिल्ली आने की तैयारी कर रहे हैं। पत्र में कहा गया, इससे पहले, 2021 और 2022 में दिल्ली की तीन सीमाएं इसी तरह के विरोध के कारण कई महीनों तक अवरुद्ध रहीं, जिससे आम जनता को कठिनाई हुई।

सम्पादकीय

दक्षिणी राज्यों का मोर्चा

इन राज्यों की साझा शिकायत है कि केंद्र सरकार संविधान में निहित वित्तीय संघवाद की भावना का उल्लंघन कर रही है। जीएसटी के तहत उन राज्यों से जो टैक्स वसूला जाता है, उसमें उन्हें उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया दल–बल के साथ नई दिल्ली पहुंचे हैं। गुरुवार को ऐसा ही मोर्चा लेकर केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन जंतर–मंतर पहुंचेंगे। इसके ठीक पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विजयन को पत्र लिख कर कहा है कि उनका राज्य ना सिर्फ इस लड़ाई में केरल के साथ है, बल्कि इस बारे में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका के साथ खुद को भी संबंधित करेगी। इस घटनाक्रम के सार को समेटते हुए कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खडगे ने कहा है कि फिलहाल दक्षिणी राज्य अलग–अलग लड़ रहे हैं, लेकिन देर–सबेर उनका मोर्चा बनना तय है। संकेत हैं कि तेलंगाना भी इस संघर्ष से जुड़ेगा। इन सभी राज्यों की साझा शिकायत है कि केंद्र सरकार संविधान में निहित वित्तीय संघवाद की भावना का उल्लंघन कर रही है। जीएसटी के तहत उन राज्यों से जो टैक्स वसूला जाता है, उसमें उन्हें उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है। स्टालिन का दावा है कि जीएसटी से पहले के समय की तुलना में तमिलनाडु को हर साल 20 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। इस महीने पेश अंतरिम बजट के प्रावधानों से दक्षिणी राज्यों में असंतोष और बढ़ा है। उन प्रावधानों टिप्पणी करते हुए पर कर्नाटक से कांग्रेस के एक सांसद ने तो यहां तक कह दिया कि अगर केंद्र का यही रवैया रहा, तो दक्षिणी राज्यो से अलग देश बनाने की मांग उठ सकती है। इस बीच उन राज्यों में 2026 में संभावित लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर भी आशंका गहरा गई है। उन्हें भय है कि अगर आबादी को इसका आधार बनाया गया, तो लोकसभा में उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात घट जाएगा, जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों के प्रतिनिधित्व में भारी इजाफा होगा। उनका कहा है कि इस तरह उन्हें बेहतर विकास करने और जनसंख्या वृद्धि पर काबू पाने की सजा मिलेगी। कहा जा सकता है कि ये सारी गंभीर शिकायतें हैं। अगर केंद्र सरकार संवेदनशील है और बन रही परिस्थिति के संभावित परिणामों को समझती है, तो उसे तुरंत दक्षिणी सरकारों से संवाद कायम करते हुए उनकी शिकायतों को दूर करना चाहिए।

इंडोनेशिया के चुनाव में लोकतंत्र को खतरा?

श्रुति व्यास

चौदह फरवरी को दुनिया के तीसरे सबसे बड़े लोकतंत्र इंडोनेशिया में वोटिंग है। माना जा रहा है पूर्व जनरल प्रोबो सुबियांटो अगले राष्ट्रपति होंगे।और उनका मानवाधिकारों के मामले में भयावह रिकार्ड है तो लोकतंत्र में उनकी आस्था को लेकर भी संदेह है। वे देशके दूसरे और सबसे लंबे कार्यकाल वाले राष्ट्रपति सुहातो के दामाद भी हैं। बावजूद इसके इंडोनेशिया को नई दिशा देने वाले मौजूदा राष्ट्रपति जोको विडोडो ने उन पर हाथ रखा है। उनके समर्थन से उनकी जीत तय मानी जा रही है?

तो क्या इंडोनेशिया में भी लोकतंत्र खतरें में है? जवाब सुबियांटो के विवादास्पद अतीत में है।वे सेना में दशकों साल प्रभावी थे। उस दौरान उन पर जनता पर जुल्म करने के आरोप लगे। पूर्व में इंडोनेशिया के कब्जे वाले क्षेत्र पूर्वी तिमोर में सेना के विशेष बल के भी प्रमुख थे।तब आरोप लगा था।1998 में उन्होंने 20 से अधिक लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं का अपहरण करवाया। उनमें से13 अब भी लापता हैं। हालांकि वे हमेशा कहते आए हैं कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है इन इल्जामों के सम्बन्ध में उन पर कोई कानूनी कार्यवाही भी नहीं हुई है। लेकिन एक समय इन आरोपों के चलते आस्ट्रेलिया और अमरीका ने उनके वीजा और एंट्री पर पाबंदी लगाई थी।

प्रोबो सभी चुनावी सर्वेक्षणों में आगे हैं। सर्वेक्षणों के अनुसार 72 साल के प्रोबो, युवा मतदाताओं में भी लोकप्रिय है।और चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 17 से 40 साल के मतदाता कुल मतदाताओं में50 प्रतिशत से अधिक है।

प्रोबो ने अपने आप को रीब्रांड किया है। प्रोबो और उनकी टीम ने सोशल मीडिया का जम कर उपयोग किया है। अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर वे अपनी बिल्ली को चूमते और गले लगाते तथा अपने हाथ से लव हार्ट की इमेज बनाते दिखे हैं। उनके समर्थकों के जैकेट और जर्सी पर प्रोबो का कार्टून बना है जिसमें वे बहुत क्यूट दिखते है। सोशल मीडिया पर उन्हें

'गीमोय' कहा जाता है जिसका अर्थ है क्यूट। इतना ही नहीं वे चुनावी सभाओं में अपनी कमर मटकाते और हाथ नचाते दीखते हैं। ये वीडियो टिकटाक पर वायरल हैं।

इससे नौजवान पोजिटिव है और उनके अतीत की परवाह नहीं कर रहे है। उनके लिए बेरोजगारी और नौकरी का मुद्दा मुख्य है और प्रोबो ने इसके ढ़ेरों वादे किए है। युवाओं को सुहार्तो के दामाद याकि राजनीति में वंशवाद से भी कोई दिक्कत नहीं है।

प्रोबो के सहयोगी के रूप में उपराष्ट्रपति का चुनाव लड़ रहे हैं जिब्रान राकाबूमिंग। वे मौजूदा राष्ट्रपति जोको विडोडो के बड़े लडक़े हैं। हालांकि इनकी साझेदारी विवादों से घिरी रही है। संवैधानिक न्यायालय, जिसके प्रमुख उनके अंकल अनवर उस्मान हैं, द्वारा उम्मदवारों की आयु संबंधी पाबंदियों में अपवाद की अनुमति दी जाने के बाद ही जिब्रान उम्मीदवार बन सके हैं।

सो वंशवाद का मुद्दा चुनाव में बेमतलब है। जोको के समर्थन से भी प्रोबो को फायदा हो रहा है। जोको राष्ट्रपति पद के अधिकतम निर्धारित कार्यकाल पूर्ण कर चुके हैं मगर फिर भी वे लोकप्रिय हैं। इससे प्रोबो की स्थिति मजबूत हुई है। प्रोबो जोको की नीतियां जारी रखने का वायदा कर रहे हैं, जिनमें बोर्नेओ में नई राजधानी नुशांतरा का निर्माण भी शामिल है। उन्होंने प्री–स्कूल से लेकक्र उच्चतर माध्यमिक तक के स्कूली बच्चों और गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क मध्यान्ह भोजन और दूध बांटने का वायदा भी किया है। साथ ही दो वर्षों में अति–निर्धना को खत्म करने की कसम भी ली है।

प्रोबो का मुकाबला जकार्ता के पूर्व गवर्नर एनियस बासवेडेन और पूर्व प्रांतीय गवर्नर गंजार प्रोनोवो से है। एनियस भी सोशल मीडिया के जरिए चुनाव अभियान को पर्सनल टच दे रहे हैं। उनका इंस्टाग्राम एकाउंट उनकी बिल्लियों पर केन्द्रित है, जिन्हें 'वे 'पावससवेडेन फैमिली" कहा जाता है। जहां गंजार सत्ताधारी पार्टी से हैं वहीं एनियस विपक्षी उम्मीदवार के रूप में दांवेदार हैं।55 वर्षीय गंजार सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ स्ट्रगल (पीडीआई–पी) के उम्मीदवार हैं और रोजगार के लिए जोको सरकार के बनाए विवादास्पद कानून पर पुनर्विचार करने का वायदा किया है।

कुछ विश्लेषकों का मानना है कि मुकाबला त्रिकोणीय है क्योंकि बहुत से मतदाताओं ने यह निर्णय नहीं लिया है कि वे किसे वोट देंगे, लेकिन प्रोबो अन्य उम्मीदवारों की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं। इंडोनेशिया में चुनावों का फैसला उम्मीदवारों के व्यक्तित्व के आधार पर होता है जैसा कि 2014 में हुआ था। तब जोको को लोगों ने एक ताजी हवा के झोंके जैसा माना था। उम्मीद थी वे देश को नयी ज़िन्दगी देंगे। आज नौ साल बाद वे अर्थव्यवस्था को बेहतर करने में तो सफल हुए हैं लेकिन लोकतंत्र को मजबूत करने में असफल रहे हैं।तभी यह आंशका दमदार है कि 14 फरवरी को इंडोनेशिया में सत्ता लोकतंत्र को और कमज़ोर बनाने वाले पूर्व सेनाधिकारी को हाथों में जाएगी।

प्रोबो का मुकाबला जकार्ता के पूर्व गवर्नर एनियस बासवेडेन और पूर्व प्रांतीय गवर्नर गंजार प्रोनोवो से है। एनियस भी सोशल मीडिया के जरिए चुनाव अभियान को पर्सनल टच दे रहे हैं। उनका इंस्टाग्राम एकाउंट उनकी बिल्लियों पर केन्द्रित है, जिन्हें 'वे 'पावससवेडेन फैमिली" कहा जाता है। जहां गंजार सत्ताधारी पार्टी से हैं वहीं एनियस विपक्षी उम्मीदवार के रूप में दांवेदार हैं।55 वर्षीय गंजार सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ स्ट्रगल (पीडीआई–पी) के उम्मीदवार हैं और रोजगार के लिए जोको सरकार के बनाए विवादास्पद कानून पर पुनर्विचार करने का वायदा किया है।

कुछ विश्लेषकों का मानना है कि मुकाबला त्रिकोणीय है क्योंकि बहुत से मतदाताओं ने यह निर्णय नहीं लिया है कि वे किसे वोट देंगे, लेकिन प्रोबो अन्य उम्मीदवारों की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं। इंडोनेशिया में चुनावों का फैसला उम्मीदवारों के व्यक्तित्व के आधार पर होता है जैसा कि 2014 में हुआ था। तब जोको को लोगों ने एक ताजी हवा के झोंके जैसा माना था। उम्मीद थी वे देश को नयी ज़िन्दगी देंगे। आज नौ साल बाद वे अर्थव्यवस्था को बेहतर करने में तो सफल हुए हैं लेकिन लोकतंत्र को मजबूत करने में असफल रहे हैं।तभी यह आंशका दमदार है कि 14 फरवरी को इंडोनेशिया में सत्ता लोकतंत्र को और कमज़ोर बनाने वाले पूर्व सेनाधिकारी को हाथों में जाएगी।

भारत रत्न की राजनीति

जयंत चौधरी का रुख पूरे विपक्ष की राजनीति पर एक प्रश्नचिह्न है। यह संकेत है कि ज्यादातर विपक्षी नेताओं की प्राथमिकता अपना और अपने परिवार का हित है। जब भाजपा उन हितों से तालमेल बैठा देती है, तो वे सहज ही उसकी तरफ खिंच जाते हैं।

आरएलडी के नेता जयंत चौधरी ने राज्यसभा में कहा कि मोदी सरकार ने उनके दादा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित कर उनका दिल जीत लिया है। इसके पहले वे कह चुके थे कि अब भाजपा उन्हें अपने गठबंधन में बुलाती है, तो वे किस मुंह से उस न्योते को ठुकराएंगे! यह कहते हुए चौधरी अपने उन पूर्व बयानों को भूल गए, जिनमें उन्होंने मौजूदा केंद्र सरकार पर किसान विरोधी और सांप्रदायिक होने के इल्जाम लगाए थे। चौधरी का यह रुख असल में पूरे विपक्ष की राजनीति पर एक प्रश्नचिह्न है। यह इसका संकेत है कि विपक्ष के ज्यादातर नेता अपने और अपने परिवार के हित की लड़ाई लड़ रहे हैं। जब भाजपा उन हितों से तालमेल बैठा देती है, तो वे सहज ही उसकी तरफ खिंच जाते हैं। केंद्र ने ऐसे तालमेल बिठाने के लिए अब देश के सवीच्च सम्मान भारत रत्न को औजार बना लिया है। अपने सियासी समीकरण बिठाने के लिए एक महीने के अंदर उसने पांच दिवंगत शख्सियतों को यह सम्मान प्रदान कर दिया है। जिन व्यक्तियों सम्मानित किया गया है, उनमें सिर्फ एमएस स्वामीनाथन ही गैर–सियासी हैं।

हालांकि उनके सम्मान को भी तमिलनाडु में भाजपा की चुनावी प्राथमिकताओं से जोडक़र देखा जा सकता है। यह बात पहले से स्पष्ट है कि भाजपा की आज की कामयाबियों का एक बड़ा कारण 1990 के दशक में उभरी तीनों प्रमुख परिघटनाओं–मार्केट, मंदिर और मंडल को अपने में समाहित कर लेना है। ऐसे में पीवी नरसिंह राव, लालकृष्ण आडवाणी और कर्पूरी ठाकुर/ चौधरी चरण को सम्मानित करना उसके वर्तमान राजनीतिक समीकरणों से पूरी तरह मेल खाता है।

गरीबी पर गोलमाल

हरिशंकर व्यास

1881 में जब से 10 साल पर होने वाली जनगणना शुरू हुई है तब से पहली बार ऐसा हुआ कि जनगणना नहीं कराई गई। अब जब जनगणना हुई ही नहीं है तो सरकार कहां से आंकड़े लाएगी? सो, गरीबी से जुड़े जो भी आंकड़े हैं उनको छिपा लिया गया।

साफ है श्वेत पत्र अर्थव्यवस्था की जानकारी देने की बजाय यूपीए के 10 साल के राज के कथित घोटालों को फिर से जिंदा करने की कोशिश में है।

श्वेत पत्र में नहीं बताया गया कि किस आधार पर सरकार गरीबी का आकलन कर रही है। यह इसलिए हैरान करने वाली बात है क्योंकि अंतरिम बजट पेश करने से पहले भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार की ओर से तैयार एक लंबी चौड़ी रिपोर्ट जारी की गई। चूंकि चुनावी साल में आम बजट नहीं पेश हो रहा था इसलिए सरकार आर्थिक सर्वे नहीं ला सकती थी तो उसकी बजाय देश की आर्थिक सेहत को लेकर एक रिपोर्ट पेश की गई, जिसमें सरकार की ओर से दावा है कि पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। कांग्रेस का दावा है कि मनमोहन सिंह की सरकार के समय 14 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार उससे करीब दोगुनी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का दावा कर रही है।

रिपोर्ट आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सभाओं में भी इसका जिक्र किया। लेकिन सरकार के श्वेत पत्र में इसका कोई जिक्रनहीं है कि कैसे सरकार ने गरीबी के आंकड़े का पता लगाया है? सोचें, यह सरकार 10 साल पर होने वाली जनगणना नहीं करा सकी है। 1881 में जब से 10 साल पर होने वाली जनगणना शुरू हुई है तब से पहली बार ऐसा हुआ कि जनगणना नहीं कराई गई। अब जब जनगणना हुई ही नहीं है तो सरकार कहां से आंकड़े लाएगी? सो, गरीबी से जुड़े जो भी आंकड़े हैं उनको छिपा लिया गया।

साफ है श्वेत पत्र अर्थव्यवस्था की जानकारी देने की बजाय यूपीए के 10 साल के राज के कथित घोटालों को फिर से जिंदा करने की कोशिश में है। बताया गया है कि यूपीए के 10 साल के राज में 15 बड़े घोटाले हुए। ध्यान रहे सरकार अभी नए सिरे से भ्रष्टाचार विरोधी नैरेटिव गढ़ रही है। इस वजह से एक के बाद एक विपक्षी नेताओं के यहां छापे पड़ रहे हैं। भाजपा को लग रहा है कि भ्रष्टाचार का मुद्दा ही भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दूसरे विपक्षी नेताओं से अलग करेगा। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के नाम पर राज्यों के चुनाव में भी भाजपा को फायदा हुआ है। संभवतः इसी वजह से कोयला से लेकर संचार और खेल से लेकर शारदा चिटफंड और रेलवे में नौकरी के बदले जमीन से जुड़े कथित घोटालों का इसमें जिक्रकिया गया है। ध्यान रहे रेलवे में नौकरी के मामले में ही लालू प्रसाद और उनके पूरे परिवार से ईडी पूछताछ कर रही है।

भ्रष्टाचार के अलावा दूसरा मकसद मोदी के मजबूत नेतृत्व के नैरेटिव को और बढ़ाना है। इसलिए मनमोहन सिंह की सरकार पर आरोप लगाया गया है कि सरकार में नीतिगत अपंगता थी। सो, पहला मुद्दा यह कि सरकार भ्रष्टाचार और घोटाले में डूबी थी तो दूसरा यह कि वह फैसला नहीं कर पा रही थी। इसके मुकाबले मोदी सरकार ईमानदार है और फटाफट फैसले कर रही है यानी नेतृत्व मजबूत है।

रसेल के तूफान से कंगारू पस्त, वेस्टइंडीज ने 37 रन से जीता तीसरा टी–20

पर्थ, एजेंसी। आंद्रे रसेल (29 गेंदो पर 71 रन) और शरफेन रदरफोर्ड (67 नाबाद) के बीच छठे विकेट के लिए रिकार्ड 139 रनों की भागीदारी की मदद से वेस्टइंडीज ने श्रृखंला के तीसरे और आखिरी टी–20 मुकाबले में मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया को 37 रनो से हरा दिया। टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टंडीज ने छह विकेट पर 220 रनो का स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया पांच विकेट पर 183 रन ही बना सका। रसल और रदरफोर्ड के बीच यह टी20 इतिहास में कैरिबियन जोड़ी के बीच छठे विकेट के लिए की गई सबसे बड़ी भागीदारी रही जिसके चलते आस्ट्रेलिया का वेस्टइंडीज का टी20 सीरीज में क्लीन स्वीप का सपना टूट गया।

एक समय वेस्टइंडीज के पांच विकेट 79 रन पर गिर चुके थे और मेहमान टीम के 170 रनो के आसपास लक्ष्य खड़ा करने की उम्मीद थी मगर रसल ने क्रीज पर आते ही कंगारु गेंदबाजों की बखिया उधेड़नी शुरु कर दी। उन्हे दूसरे छोर पर रदरफोर्ड का भरपूर साथ मिला। दोनों

बल्लेबाजों के आतिशी प्रदर्शन ने मेजबान खेमे में हलचल मचा दी। रसल ने 29 गेंदो की संक्षिप्त मगर तूफानी पारी के दौरान सात छक्के और चार चौके लगाए। वहीं रदरफोर्ड ने 40 गेंद खेल कर पांच चौके और पांच गगनचुंबी छक्के जड़े।

ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (81) ने अपनी टीम को शानदार शुरुआत दी मगर दूसरे छोर पर अपेक्षित सहयोग की कमी के कारण मेजबान टीम के लिए लक्ष्य लंबा होता गया जिसका खामियाजा अंततः उसे हार से चुकाना पड़ा। हालांकि आखिरी के ओवरों में टिम डेविड (41 नाबाद) ने चार छक्कों के साथ तूफानी बल्लेबाजी का मुजाहिरा किया मगर यह टीम को विजय की दहलीज पर ले जाने के लिए नाकाफी था।

रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी से ओटीटी डेब्यू कर रही रीम शेख, ग्रे शेड के किरदार में आएंगी नजर

एक्ट्रेस रीम शेख, जो लीगल ड्रामा रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी के साथ अपना ओटीटी डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, ने कहा कि वह पहली बार ग्रे शेड का किरदार निभा रही हैं।तुझसे है राब्ता, गुल मकई में अपने काम के लिए मशहूर रीम इस शो में अंकिता पांडे का किरदार निभा रही हैं।अंकिता एक ऐसा किरदार है जो जटिल है, उन्होंने कहा, फिर भी उससे जुड़ना आसान है।अपने किरदार में खुद को ढालने के बारे में बात करते हुए, रीम ने कहा, अंकिता का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचकारी है। यह न केवल ओटीटी दुनिया में मेरा पहला प्रोजेक्ट है, बल्कि ग्रे शेड्स वाले किरदार को निभाने में मेरी पहली कोशिश भी है।दीया और बाती हम की एक्ट्रेस ने कहा, अंकिता और मेरे बीच मतभेदों के बावजूद, यह अविश्वसनीय है कि कैसे सिर्फ 20 मिनट का मेकअप और ड्रेस मुझे बदले और गुस्से से भरी उसकी दुनिया में ले जाती है।उन्होंने आगे कहा, यह भूमिका मेरे लिए आसान नहीं है। इस रोल ने मुझे अंकिता के मानस में गहराई से उतरने और उसके रिश्तों के जटिल जाल को उजागर करने की भी अनुमति दी है।

दुनियाभर में ईगल ने भरी ऊंची उड़ान! 3 दिनों में 30 करोड़ के पार हुई रवि तेजा की फिल्म

रवि तेजा की फिल्म ईगल 9 फरवरी को थिएटर्स में रिलीज हुई है. फिल्म दर्शकों को पसंद आ रही है और ये अच्छी कमाई भी कर रही है. ईगल को रिलीज हुए चार दिन हो गए हैं और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाया हुआ है. घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ–साथ रवि तेजा की फिल्म दुनियाभर में धमाल मचा रही है और हर रोज करोड़ों का कारोबार कर रही है. ईगल के तीन दिनों का वर्ल्डवाइड कलेक्शन सामने आ चुका है, जिसके मुताबिक फिल्म ने तीन दिनों में तीस करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर लिया है. पहले दिन फिल्म ने वर्ल्डवाइड 11.90 करोड़ और दूसरे दिन 9 करोड़ कमाए थे. वहीं अब ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला की मानें तो रवि तेजा की फिल्म ने तीसरे दिन के कलेक्शन के साथ तीन दिनों में कुल 30.6 करोड़ रुपए बटोर लिए हैं. रमेश बाला ने एक्स पर फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा– मुझे बहुत अच्छा लगा! ईगल ने 3 दिनों में दुनिया भर में 30 करोड़ से ज्यादा की कमाई की।बता दें घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी ईगल का जलवा कि ईगल घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी हर रोज करोड़ों में खेल रही है. फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 6.2 करोड़ की ओपनिंग की थी. वहीं दूसरे दिन फिल्म ने 5 करोड़ कमाए तो तीसरे दिन का कलेक्शन 4.85 करोड़ रुपए रहा.

ओसाका ने गार्सिया को कतर ओपन के पहले दौर में हराया

दोहा, एजेंसी । पूर्व विश्व नंबर 1 नाओमी ओसाका अपनी जीत की राह पर लौट आईं और उन्होंने कतर ओपन, डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट के पहले दौर में नंबर 15 वरीयता प्राप्त कैरोलिन गार्सिया को 7–5, 6–4 से हराया।

सोमवार रात को अपनी 1 घंटे और 28 मिनट की जीत के साथ ओसाका ने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में गार्सिया से अपनी पहले दौर की हार का बदला लिया, जो 2022 के अंत में मैटरनिटी लीव शुरू होने के बाद से ओसाका की पहली ग्रैंड स्लैम उपस्थिति थी।दूसरे दौर में ओसाका का मुकाबला क्रोएशिया की पेट्रा मार्टिक से होगा। पूर्व शीर्ष 15 खिलाड़ी मार्टिक ने तीन घंटे के संघर्ष में डचवुमैन अरांटेक्सा रूस को 7–5, 3–6, 7–6(5) से हराया।ओसाका ने इस सीजन में अपनी वापसी का पहला मैच ब्रिस्बेन में तमारा कोरपात्श के खिलाफ जीता था, लेकिन लगातार अगले तीन मैच हार गई थी।

इंग्लैंड के स्पिन गेंदबाज रेहान अहमद को राजकोट एयरपोर्ट पर रोका

राजकोट, एजेंसी। भारत के दौरे पर आयी इंग्लैंड क्रिकेट टीम के फिरकी गेंदबाज रेहान अहमद को वीजा संबंधी दस्तावेज न होने के कारण हवाई अड्डे पर रोका गया। क्रिकइंफो के अनुसार अबू धाबी से मिड सीरीज़ ब्रेक से लौटने पर रेहान को राजकोट एयरपोर्ट पर ही रोक लिया गया क्योंकि उनके पास सिंगल एंट्री वीज़ा ही था। हालांकि स्थानीय अधिकारियों ने इस समस्या का तात्कालिक समाधान निकाल लिया। इंग्लैंड अब यह उम्मीद कर रहा है कि आने वाले 24 घंटों में इस समस्या का स्थाई समाधान मिल जाएगा। सोमवार शाम तक इंग्लैंड दल के सभी सदस्य राजकोट के टीम होटल पहुंच चुके थे।

ईसीबी ने इस मामले पर बयान जारी करते हुए कहा है कि भारत लौटने पर यह जानकारी दी गई कि रेहान के वीज़ा में काग़ज़ी कार्रवाई संबंधी समस्या थी, राजकोट की लोकल अथॉरिटी ने काफ़ी सहायता की जिसके चलते रेहान को अस्थाई वीज़ा मिल गया। उम्मीद है कि जल्द ही आने वाले दिनों में वीज़ा संबंधी इस समस्या का निवारण हो जाएगा। रेहान सही वीज़ा आने तक इंग्लैंड के दल के साथ तीसरे टेस्ट की तैयारी जारी रखेंगे। दौरे की शुरुआत में शोएब बशीर को भी वीज़ा संबंधी समस्या का सामना करना पड़ा था, जिसके चलते वह पहले टेस्ट मैच से बाहर भी हो गए थे। वीज़ा मिलने में हुई देरी के चलते बशीर 28 जनवरी को ही भारत पहुंच पाए थे जो कि पहले टेस्ट का चौथा दिन था। हालांकि बशीर को विशाखापटनम में डेब्यू करने का मौक़ा मिला।बशीर की तरह ही इंग्लैंड में जन्में रेहान पाकिस्तानी मूल के हैं, लेकिन रेहान को शुरुआत में भारत में प्रवेश करने में समस्या इसलिए नहीं आई क्योंकि एकदिवसीय विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के दल में बतौर स्टैंड बाय प्लेयर शामिल थे, जिसके चलते उन्हें भारत का वीज़ा मिल गया था।

नेपाल में त्रिकोणीय श्रृंखला के साथ शुरू होगी आईसीसी पुरुष सीडब्ल्यूसी लीग 2

नई दिल्ली, एजेंसी । आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 गुरुवार को कीर्तिपुर में शुरू हो रही है जिसमें नामीबिया, नीदरलैंड और मेजबान नेपाल 24 मैचों की त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच में भाग लेंगे, जो उन्हें वनडे विश्व कप 2027 के क्वालीफाइंग राउंड तक ले जाएगा।

आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 2019 से 2023 तक उद्घाटन संस्करण के समान प्रारूप के माध्यम से प्रतियोगिता छह–छह मैचों की 24 मैचों की त्रिकोणीय श्रृंखला के माध्यम से सात–टीम प्रारूप से आठ–टीम प्रतियोगिता में बदल जाती है।

कनाडा, ओमान, स्कॉटलैंड, यूएई और अमेरिका आठ टीमों की लीग में अन्य टीमें हैं जिनमें विश्व कप क्वालीफायर से पहले 144 मैच शामिल होंगे।

पिछले विश्व कप क्वालीफिकेशन चक्र के आधार पर टीमों को विश्व कप लीग 2 और क्वालीफायर प्ले–ऑफ में रखा गया था।

क्रैनबेरी के बढ़िया स्वाद के साथ होते हैं कई स्वास्थ्य लाभ, बनाएं डाइट का हिस्सा

क्रैनबेरी लाल रंग के छोटे–छोटे फल होते हैं, जो रूबी की तरह दिखते हैं। ये फल न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि कई स्वास्थ्य लाभों से युक्त भी होते हैं।ये फाइबर, विटामिन (सी, ई) और मैंगनीज जैसे खनिजों से भरपूर होते हैं। क्रैनबेरी में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव तनाव के खिलाफ शरीर की सुरक्षा को मजबूत करते हैं।आइए जानते हैं कि क्रैनबेरी को डाइट में शामिल करने से शरीर को क्या–क्या लाभ मिल सकते हैं।

किडनी की सुरक्षा

क्रैनबेरी एंटीऑक्सीडेंट और प्रोएन–थोसायनिडिन जैसे यौगिकों से भरपूर होती हैं। ये फल यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटी) को रोकने में मदद करते हैं, जो किडनी पर दबाव डाल सकता है।हानिकारक बैक्टीरिया को रोककर क्रैनबेरी किडनी से संबंधित समस्याओं के जोखिम को कम करती हैं। इसके अलावा इसके सूजनरोधी गुण किडनी के

स्वास्थ्य में योगदान देते हैं।अपने खान–पान में इन्हें शामिल करना आपकी किडनी को स्वस्थ बना सकता है। ये किडनी संबंधित बिमारियों से लडने में भी सहायक होती हैं।

मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली

क्रैनबेरी विशेष यौगिकों से लैस होती हैं और शरीर के बैक्टीरिया और यीस्ट से लड़ती हैं। ये आपके स्वास्थ्य के लिए एक अंगरक्षक की तरह काम कर सकती हैं क्रैनबेरी में मौजूद यौगिक न केवल आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं बल्कि सर्दी–जुकाम की परेशानी को भी कम करने में मदद करते हैं। इस बेरी के सेवन से आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली दुरुस्त हो जाएगी।क्रैनबेरी का जूस पीने से भी कई फायदे मिल सकते हैं।

कैंसर रोधी गुण

क्रैनबेरी कैंसर से लडने में मदद करने वाले खाद्य–पदार्थों में से एक है। क्रैनबेरी से प्राप्त यौगिक कीमोथेरेपी के प्राकृतिक रूप की तरह काम करते हैं। ये कैंसर कोशिकाओं के विकास को सक्रिय रूप से रोकते हैं।क्रैनबेरी का सेवन आपके शरीर में कैंसर के खतरे को कम कर सकता है। बता दें कि ये किसी भी पारंपरिक उपचार का विकल्प नहीं है, लेकिन पारंपरिक उपचार के साथ–साथ इनका सेवन शरीर के लिए फायदेमंद होगा।

सूजनरोधी गुण

क्रैनबेरी में सूजन–रोधी शक्तियां होती हैं, जो सूजन को बढ़ाने वाले रिएक्टिव प्रोटीन (सीआरपी) को कम करती हैं। इसके अलावा ये फल वजन घटाने में भी मदद करते हैं।क्रैनबेरी एडिपोजेनेसिस को रोककर इसे नियंत्रित रखती हैं, जो वसा कोशिका निर्माण की प्रक्रिया है। इसलिए अपनी रोजाना की डाइट में क्रैनबेरी का आनंद लेने से न केवल सूजन में राहत मिलती है बल्कि आपका वजन भी कम होता है।

फंगल प्रतिरोधी लाभ

क्रैनबेरी दांतों की सडन और फंगल संक्रमण के खिलाफ प्राकृतिक सुरक्षा देती हैं। ये एसिड बनने से रोकती हैं और मुंह में हानिकारक बैक्टीरिया नहीं पनपने देतीं, जिससे कैविटी कम हो जाती हैं।साथ ही क्रैनबेरी हानिकारक फंगस के विकास में भी रुकावट लाती हैं। अपने आहार में क्रैनबेरी शामिल करने से मुंह के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाया जा सकता है।आप क्रैनबेरी को ताजा या सूखाकर खा सकते हैं।

छात्रों को दिए कैरियर बनानें के टिप्स

पौड़ी : कोट ब्लाक के राजकीय इंटर कॉलेज खोलाचौरी में छात्र-छात्राओं को कैरियर और गाइडेंस की जानकारी दी गई। मार्गदर्शक विषेशज्ञ परमबीर सिंह रावत ने वर्तमान समय की मांग को ध्यान में रखकर डिजिटल मार्केटिंग के बारे में नवीनतम जानकारियां साझा की। उन्होंने ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री और डिप्लोमा कोर्सेज के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मार्गदर्शक विषेशज्ञ डीप इंडिया ट्रस्ट के अध्यक्ष परमबीर सिंह रावत ने छात्र-छात्राओं को कौशल विकास, पर्यटन व्यवसाय, मेडिकल क्षेत्र, ट्रांसपोर्ट सेक्टर, स्वरोजगार, ट्रैवल जर्नलिज्म, वोकेशनल कोर्स, होटल इंडस्ट्रीज के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश आर्य ने मार्गदर्शक विषेशज्ञ परमबीर सिंह रावत का धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं को अपनी इच्छाशक्ति के अनुरूप ही कैरियर का चुनाव करना चाहिए। जिससे वे अपने लक्ष्य को हासिल कर पाए। इस अवसर पर रवीन्द्र नेगी, चंद्रप्रकाश, एसपी अवस्थी, राकेश ध्यानी, आरती गुसांई, रश्मि सेमवाल, वंदना ध्यानी, वंदना शाह, रंजन रावत, एनके पुंडीर, विकास मुयाल, कैलाश पंवार, जितेंद्र राणा आदि शामिल रहे। संचालन वीरेंद्र खांकरियाल ने किया।

61 आशा कार्यकत्रियों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : चिकित्सा स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग व जिला आशा प्रशिक्षण केंद्र आस्था सेवा संगठन की ओर से आशा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान दुर्गम क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाली 61 आशा कार्यकत्रियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आशा कार्यकत्रियों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी।

मंगलवार को बदरीनाथ मार्ग स्थित प्रेक्षागृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने आशा कार्यकत्रियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने आशा कार्यकत्रियों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु एक अहम कड़ी बताया। कहा कि प्रधानमंत्री का लक्ष्य देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है और आशा बहनों के माध्यम से ही हम इस कार्य में सफल हो पा रहे हैं। आशा कार्यकत्रियां विपरीत परिस्थितयों में भी

आशा कार्यकत्रियों को सम्मानित करती विस अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण

अपने कार्य को तत्परता से करने में जुटी हैं, जिस पर सभी को गर्व होना चाहिए। तत्पश्चात उन्होंने आशा कार्यकत्रियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर पर्यावरणविद सच्चिदानंद भारती, डॉ. पारुल गोयल, राकेश चंद्र, अनिता भारद्वाज, महेश्वरी देवी, अनिता गौड़ और नीरू बाला खंतवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया विद्यालय का वार्षिकोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार/सतपुली: राजकीय इंटर कॉलेज अमोला का वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य मंडल सिंह राणा द्वारा समारोह की अध्यक्षता की गई। जीव विज्ञान प्रवक्ता संजय प्रसाद भट्ट व ज्ञानेंद्र रावत ने कार्यक्रम का मंच संचालन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में विकास क्षेत्र द्वारीखाल के खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र सिंह नेगी ने विद्यार्थियों को जीवन में अगे बढ़ने की सीख दी। विद्यालय ने अपनी पत्रिका उत्तरायणी का विमोचन एवं सम्पादन भी किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर मंडल सिंह राणा, राकेश सिंह, आरती, ज्ञानेंद्र सिंह, सुरेशानंद सेमवाल, शशिभूषण सैनी, संजय प्रसाद भट्ट, विनोद कुमार, सीमा ग्रोवर, पंकज बिजलवान, हरीश चंद, संगीता रानी,

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में पहुंची अतिथि

दीपक सिंह, सुमन गौड़, जितेंद्र सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

साहित्यकार डा. रणवीर सिंह चौहान का निधन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पौड़ी जिले के अंतर्गत ग्राम डांगी निवासी इतिहासकार, साहित्यकार डा. रणवीर सिंह चौहान का निधन हो गया। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने शोक व्यक्त किया है।

वर्तमान में देवी नगर कोटद्वार में रह रहे उनके पुत्र आशीष चौहान ने बताया कि डा. रणवीर सिंह चौहान पिछले दो दिन से अस्वस्थ चल रहे थे। मंगलवार सुबह की पांच बजे उनक निधन हो गया। 78 वर्षीय रणवीर सिंह चौहान अब भी लेखन कार्य करते थे। उन्होंने कई गीतों की भी रचना की। उनका अंतिम संस्कार हरिद्वार में गिया गया। सामाजिक कार्यकर्ता व पत्रकार जगमोहन डांगी ने बताया कि डा. रणवीर सिंह के निधन से साहित्य जगत को अपूर्णीय क्षति पहुंची है। कहा कि उनकी डांगी का इतिहास सात सौ वर्ष पूर्व डांगी गांव की स्थापना पर एक पुस्तक वंशावली भाग दो पर तैयारी चल रही थी, जून में गांव के सात सौ साल होने पर

डा. रणवीर सिंह चौहान

हमारी संस्कृति हमारी विरासत कार्यक्रम होना था, डॉ. रणवीर सिंह चौहान एक जमाने में नजीबाबाद और लखनऊ आकाशवाणी केंद्रो से कई एकांकी नाटक सुनाते थे। उन्होंने लगभग 40 से ऊपर पुस्तकें लिखी हैं। यह तक की उन्होंने बहुत गीत लिखे जो विभिन्न लोक गायकों ने गाए। हंत्या पुजै और जनरल बकरा जैसी उनका चर्चित नाटकों में से एक है। उन्होंने बचपन में लैंसडाउन में जनरल बकरा स्वयं अपने आंखों से दिखा है। वह राजधानी ब्रह्मपुर नंदा राजजात रूपकुंड का खोज करने पवले पहले इतिहासकार थे।

विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता में विकासखंड दुगड्डा रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय आविष्कार अभियान जनपद स्तरीय मॉडल संयोजन, विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान विज्ञान ड्रामा प्रतियोगिता में विकास दुगड्डा प्रथम स्थान पर रहा।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कोटद्वार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सेवानिवृत्ति पूर्व शिक्षा अधिकारी सुदर्शन सिंह बिष्ट ने दीप प्रज्वलित कर किया।

उन्होंने कहा कि इस तरह के विज्ञान से संबंधित आयोजनों से छात्रों में विज्ञान की प्रति रुचि उत्पन्न होती है साथ ही शैक्षिक वातावरण भी सृजित होता है। स्थल संयोजक विद्यालय प्रधानाचार्य सुनीता मधवाल ने कहा कि स्वस्थ प्रतियोगितात्मक भावना से छात्रों में करियर के अवसरों का सृजन होता है। तत्पश्चात आयोजित विज्ञान ड्रामा में विकासखंड दुगड्डा पहले और विकासखंड यमकेश्वर दूसरे स्थान पर रहे। विज्ञान प्रदर्शनी में विकासखंड पौड़ी ने प्रथम, विकासखंड द्वारीखाल ने द्वितीय और विकासखंड यमकेश्वर ने तृतीय

प्रतियोगिता के अव्वल खिलाडियों को सम्मानित करते अतिथि।

स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग की क्विज प्रतियोगिता में विकासखंड नैनीडाडा प्रथम, विकास खंड दुगड्डा द्वितीय एवं विकासखंड रिखणीखाल तृतीय स्थान पर रहे। सीनियर वर्ग की क्विज प्रतियोगिता में द्वारीखाल विकासखंड पहले, विकासखंड रिखणीखाल दूसरे और विकासखंड पाबौ तीसरे स्थान पर रहा। प्रतियोगिताओं के अंत में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक गरिमा व्यास, जिला समन्वयक दौलत सिंह गुसांई, मनमोहन सिंह चौहान, राजीव थपलियाल, डॉ. जितेंद्र नेगी, सत्यपाल सिंह रावत, सीतांशु खुगसाल, दीपक नेगी, नवीन असवाल, पूनम पांथरी, दीवान सिंह रावत राजेंद्र पाल, नागेंद्र प्रसाद डोबरियाल, संजय केड़ियाल, मनोज शाह, भगत सिंह भंडारी, जागृति कुकरेती, सर्वणलता चौहान, सुमन लता रावत, निधि रावत, प्रतीक्षा भंडारी आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

उपनल कर्मचारियों की हड़ताल को सीटू ने दिया समर्थन

पौड़ी : उपनल कर्मियों की हड़ताल मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रही। हड़तालो कर्मचारियों ने रामलीला मैदान में धरना दिया।

उपनल कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से विभिन्न विभागों का काम काज प्रभावित होने लगा है। वहीं, उपनल कर्मचारियों की हड़ताल को सीटू ने भी समर्थन दिया। सीटू के जिला महामंत्री देवानंद नौटियाल ने कहा कि सरकार जानबूझकर उपनल कर्मचारियों को नियमित नहीं कर रही है। हाईकोर्ट के समान कार्य के लिए समान वेतन के आदेश को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी है। मंगलवार को रामलीला मैदान में धरना देते हुए उपनल कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि मानदेय में 40 फीसदी की बढ़ोतरी करने, समान कार्य के लिए समान वेतन देने, हटाए हुए कर्मचारियों को फिर से बहाल करने आदि की मांग सरकार से की जा रही है लेकिन सरकार कर्मचारियों की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। जिसके चलते हड़ताल का निर्णय लिया गया है। कहा कि जल्द ही समस्याओं का हल नहीं होने पर आंदोलन को उग्र किया जाएगा। उपनल कर्मचारियों के कार्य बहिष्कार पर चले जाने से डीएसओ, कृषि, वन, आयुर्वेदिक विभाग, शिक्षा विभाग, भरसार विश्विवद्यालय में कामकाज प्रभावित रहा। कार्यबहिष्कार में मनमोहन, प्रदीप, बृजमोहन, शैलेंद्र, कृष्ण कुमार, मनजीत, हरीश रावत आदि शामिल रहे।

सेवानिवृत्ति पर सहायक अभियंता खंडूडी को किया सम्मानित

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन गढ़वाल विश्वविद्यालय के डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र में सेवानिवृत्त सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गढ़वाल विवि के विद्युत विभाग के सहायक अभियंता नरेश खंडूड़ी के सेवानिवृत्त पर उनको सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केंद्र के समन्वयक प्रो. एमएस सेमवाल ने नरेश खंडूड़ी की सेवाओं तथा विवि में उनके योगदान एवं कर्मठता को सराहा और छात्रों को भी अपने कार्यों तथा दायित्वों के प्रति सजग होने का आह्वान किया।

छात्र-छात्राओं को दी रोजगार परक कोर्स की जानकारी

आईएचएमएस की ओर से रिखणीखाल महाविद्यालय में आयोजित की गई कार्यशाला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हास्पीटेलिटी मैनजमैंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से भारत सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय रिखणीखाल में करयिर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को मास्टर डिग्री कोर्स के माध्यम से रोजगार की जानकारी दी गई।

रिखणीखाल महाविद्याल के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में आईएचएमएस के मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष डॉ. अश्वनि शर्मा ने एमबीए कोर्स की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एमबीए कोर्स करने के बाद छात्रों के रोजगार के अवसर अधिक मिलते हैं, वे सरकारी, गैरसरकारी और मल्टी नेशनल कंपनी में अधिकारी के पद पर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर सिद्धांत नौटियाल ने छात्र-छात्राओं को एमसीए कोर्स की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कोर्स को करने के बाद छात्र आईटी के क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकते हैं। कहा कि आज का दौर आईटी का है, एमसीए करने के बाद छात्र कंप्यूटर इंजीनियर, साफ्टवेयर डेबलपर के तौर पर सरकारी से लेकर मल्टीनेशनल कंपनियों में अपना भविष्य बना सकते हैं। छात्राएं वर्क फ्राम होम कल्चर के माध्यम से भी रोजगार प्राप्त कर सकती हैं। एसिस्टेंट प्रोफेसर विजय पंत ने छात्र-छात्राओं को एमएचएम कोर्स की जानकारी दी। कहा कि विदेश जाने का सबसे आसान माध्यम होटल मैनेजमेंट कोर्स होता हैं। होटल मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद छात्र-छात्राएं पांच सितारा होटल और रिजार्ट में मैनेजर, रेलवे कैटरिंग में मैनेजर, अध्यापन के कार्य में अपना भविष्य बना सकते हैं। जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल ने छात्र-छात्राओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के अंदर आगे बढ़ने का जज्बा

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी

होता है, उन्हें सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने रिखणीखाल ब्लॉक की बेटी अंतरराष्टीय धावक अंकिता ध्यानी का उदाहरण देकर छात्रों को जीवन की ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्याल के प्राचार्य डॉ. मनोज उप्रेती, डॉ. प्रशांत, डॉ. मनोज नौटियाल, डॉ. विपिन पंवार, डॉ. महेश आर्य, डॉ. अनूप मेवाड आदि मौजूद रहे।

परीक्षा में सचिन राणा ने प्राप्त किया तृतीय स्थान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड लोक सेवा आयोग द्वारा जारी बंदी रक्षक भर्ती परीक्षा के परिणाम में कोटद्वार के सचिन राणा ने तृतीय स्थान हासिल किया है। सचिन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता मानसिंह राणा, माता कमला राणा और अपनी गुरु डॉ. तनु मित्तल को दिया।

वहीं सचिन के चयन पर डॉ. तनु मित्तल ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि सफलता संसाधनों की मोहताज नहीं होती।

कहा कि एक शिक्षक को अपने छात्र-छात्राओं का ऐसा मार्गदर्शन करना चाहिए कि उनकी सफलता पूरे समाज के लिए एक नजीर बन जाए। कहा कि छात्रों को निखारने का अपना प्रयास वह निरंतर जारी रखेंगी।

विद्यार्थियों ने लिया नदी व गदेरों के संरक्षण का संकल्प

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्रों ने किया पौराणिक स्थलों का भ्रमण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय इतिहास विभाग के विद्यार्थियों ने शैक्षिण भ्रमण के तहत खोह नदी व अन्य एतिहासिक व पौराणिक स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के साथ ही नदी व गदेरों के संरक्षण का भी संकल्प लिया।

मंगलवार को राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्या प्रो. जानकी पंवार ने महाविद्यालय के इतिहास विभाग छात्रों के भ्रमण दल को हरी झंडी देकर रवाना किया। इससे पूर्व उन्होंने विद्यार्थियों को ऐतिहासिक व पौराणिक स्थालों के महत्व के बारे में बताया। कहा कि इतिहास का वास्तविक उद्देश्य प्राचीन से

खोह नदी का भ्रमण करते विद्यार्थी

सीख लेना है, जिसे वर्तमान व भविष्य को सुधारा जा सके। कहा कि हमें अपने आसपास के क्षेत्र के इतिहास की वस्तुओं व स्थानों के इतिहास की जानकारी होनी चाहिए। कहा कि छात्रों के मन में हमेशा अनुसंधान की प्रवृत्ति होनी जरूरी है। छात्रों के शैक्षिक भ्रमण दल ने डा.प्रवीन जोशी के नेतृत्व में खोह नदी के तटों का भ्रमण किया। जहां उन्होंने पौराणिक व ऐतिहासिक महत्व की चीजों का अध्ययन किया। डा. प्रवीन जोशी ने कहा कि कोटद्वार की नदियां व गदेरे मूल्यवान प्राकृतिक संपदा से संपन्न है, जो स्वयं में एक अनूठा इतिहास समेटे हुए हैं। भ्रमण के दौरान छात्रों ने आंकड़ों को एकत्रित किया। साथ ही ऐतिहासिक स्थलों की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी भी की गई। भ्रमण दल में शुभम चंद्र भारद्वाज, करिश्मा नेगी, रितिशा नेगी, शालिनी रावत, मोनिका रावत, गुलशन कुमार, अंकित, कमल, स्वाति, रूखशाना, शिवानी, शीतल, मीनाक्षी, नेहा, खुशी, तनूजा शामिल रहे।

बिना लाइसेंस वाहन संचालन करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें

सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए एन्फोर्समेंट की कार्यवाही में तेजी लाये

पौड़ी : जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए परिवहन विभाग, पुलिस विभाग और राजस्व विभाग को एन्फोर्समेंट की कार्यवाही में तेजी लायें। उन्होंने समस्त उपजिलाधिकारियों, संभागीय परिवहन अधिकारी और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिना लाइसेंस के वाहन चलाने वालों पर सख्त वैधानिक कार्यवाही करें।

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कैम्प कार्यालय पौड़ी में आयोजित की गई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना आदि से जुड़े विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो भी स्थान दुर्घटना संभावित चिन्हित किये

डीएम डॉ. आशीष चौहान बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

गये हैं अथवा जहां पर हाल ही में दुर्घटनाएं घटित हुई हैं उन स्थानों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए चेतावनी व संकेतक बोर्ड लगाने, स्पीड ब्रेकर की यदि जरूरत हो तो उसे लगाने, क्रैश बेरियर्स, रंबल स्ट्रीट इत्यादि जो भी लगाया जाना चाहिए उसको लगाना सुनिश्चित करें, जिससे सड़क मार्गों पर सफर सुरक्षित और सुगम हो सके। उन्होंने पुलिस विभाग द्वारा नशे में वाहन संचालन करने वालों के विरूद्ध की गयी 27 चालानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसी तरह एन्फोर्समेंट बढ़ायें। उन्होंने कहा कि हाल ही के समय में जहां पर भी सड़क दुर्घटनाएं घटित हुई हैं उनकी केस स्टडी करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि तद्नुसार सुधारात्मक कार्यवाही की जा सके। बैठक में अधीक्षण अभियंता पीएस बृजवाल, क्षेत्राधिकारी अनुज कुमार सहित अपर पुलिस अधीक्षक जया बलूनी व समस्त क्षेत्रों के उपजिलाधिकारी, विभिन्न खंड़ों के अधिशासी अभियंता वर्चुअल माध्यम से उपस्थित थे।

बेहतर करियर के लिए विद्यार्थियों को दिए टिप्स

कार्यशाला में विद्यार्थियों को जानकारी देते अतिथि व शिक्षक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज बल्ली में करियर काउंसलिंग एवं गाइडेंस कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षकों व अतिथियों ने विद्यार्थियों को बेहतर करियर के टिप्स दिए।

कार्यशाला में एसजीआरआर पैरामेडिकल कालेज कोटद्वार के प्राचार्य डा. गिरीश उनियाल और डा. ऋतु उनियाल ने छात्राओं को विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने पर जानकारी दी।

डा. गिरीश उनियाल ने कहा कि छात्राएं अपने रुचि एवं योग्यता के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में अपना कैरियर बना सकती हैं। उन्होंने छात्राओं को करियर बनाने के लिए तैयारी के टिप्स दिए।

डा. ऋतु उनियाल ने पैरामेडिकल एवं उससे संबंधित परीक्षा की तैयारी के लिए टिप्स देने के साथ ही छात्राओं को बैंकिंग, अध्यापन और मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का धन्यवाद प्रेषित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य युगजीत चंद्र सेमवाल ने कहा कि छात्राओं के लिये विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर की अपार संभावनाएं मौजूद हैं, जिन्हे मेहनत और लगन से प्राप्त किया जा सकता है।

गांव के समीप कूड़ा डालने पर भड़के ग्रामीण

चमोली : नगर क्षेत्र का कूड़ा गैर पुल के समीप गिराए जाने पर समीपवर्ती गांवों के ग्रामीणों ने विरोध किया है। ग्रामीणों का कहना है कि कूड़े से क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है।

जिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में कहा कि नगर पालिका की ओर से कई वर्षों से गैर पुल के समीप नगर के कूड़े का निस्तारण किया जा रहा है। इससे कठूड़, गैर, टंगसा, गैरपुल, बमियाला, पीपलखाना, दोगड़ी, कांडई, सिरों, सिणजी गांव में दुर्गंध फैल रही है। साथ ही वहां से बह रही बालखिला नदी भी दूषित हो रही है। उन्होंने कहा कि तीन माह पूर्व प्रशासन की ओर से पालिका को कूड़े का निस्तारण चमोली में निर्मित प्लांट में करने के निर्देश दिए थे। यहां कुछ समय के लिए कूड़ा डाला गया। लेकिन अब फिर से गैर पुल के समीप ही कूड़े का निस्तारण किया जा रहा है। कई बार ग्रामीणों के विरोध के बावजूद भी कूड़ा डाला जा रहा है। ज्ञापन देने वालों में ग्राम प्रधान कठूड़ लक्ष्मण सिंह, सुनीलनाथन बिष्ट, मुकेश नेगी, भरत सिंह, जयपाल सिंह, रेखा, गंगा, पार्वती, प्रताप लाल, बलवंत सिंह बिष्ट, मनोरी लाल, किशन लाल, भगत राम, राम प्रसाद आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

छात्रों की बेहतरीन प्रस्तुति ने मोहा मन

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के चौरास परिसर स्थित लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र में नाट्य प्रस्तुति आयोजित की गई। इस मौके पर एमए रंगमंच के छात्रों ने बेहतरीन प्रस्तुति देकर सब का मनमोहा। इस अवसर पर छात्रों ने ललित मोहन थपलियाल कृत नाटक मुठभेड़ की मुक्ताकाशी मंच में एक प्रयोगात्मक प्रस्तुति की। गौरव सिंह व विकेश बाजपेयी के निर्देशन में हुए मुठभेड़, अंधेरी रात में एक पार्क में जेबकतरे और मदारी के बीच हुई एक मार्मिक वार्तालाप की परिधि के चारों ओर घूमता है। नाटक में बेहतर प्रदर्शन को दर्शकों ने खूब सराहा। नाटक में जेबकतरे की भूमिका विकेश बाजपेयी और मदारी की भूमिका गौरव सिंह ने निभाई। नाटक मंचन में अरविंद टम्टा, ऋषभ बिष्ट, भरत टम्टा, अंकित भट्ट, सुरभि सिंह, सोमिल असवाल, शेखर नेगी, प्राची, अनुष्का, आशुतोष, उत्सव, प्रियांशु ने सहयोग दिया। इस मौके पर डा. संजय पांडे एवं प्रो. डीआर पुरोहित सहित आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

डॉ. बी गोपाल की प्रतिमा को बीजीआर पौड़ी में स्थापित किया जाए

पौड़ी : शहर के पुराने कलेक्ट्रेट भवन में स्थापित डा. बी गोपाल रेड्डी की प्रतिमा को छात्र संघ पदाधिकारियों ने हेमती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीजीआर पौड़ी परिसर में लगवाने की मांग की है। छात्र संघ अध्यक्ष ऋत्विक सिंह असवाल के नेतृत्व में छात्रों के एक प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार को डीएम डॉ. आशीष चौहान से मुलाकात की। इस दौरान ऋत्विक असवाल ने कहा कि पुराने कलेक्ट्रेट भवन को हेरिटेज भवन के रूप में तब्दील किया जा रहा है। बताया कि डॉ. बी गोपाल रेड्डी के नाम पर बीजीआर केंपस पौडी का नाम रखा गया है। लिहाजा उनकी प्रतिमा को अब बीजीआर परिसर पौड़ी को हस्तांतरित कर देना चाहिए। ज्ञापन देने वालों में विनय रावत, सूरज नवानी, मनजीत असवाल, कुनाल रावत आदि शामिल रहे।

16 फरवरी को करेंगी भोजन माताएं प्रदर्शन

पौड़ी : सीटू से संबद्ध उत्तराखंड भोजनमाता कामगार यूनियन न्यूनतम वेतन 26 हजार देने सहित विभिन्न मांगों को लेकर 16 फरवरी को प्रदर्शन करेंगे। यूनियन की प्रांतीय अध्यक्ष रोशनी बिष्ट ने बताया कि भोजन माताओं को न्यूनतम वेतन 26 हजार देने, समान कार्य के लिए समान वेतन देने, भोजन माताओं की छटनी बंद करने आदि मांगों के हल को लेकर प्रदर्शन किया जाएगा। कहा कि पुरानी भोजन माताओ को जबरन स्कूलों से हटाया जा रहा है और नई भोजनताओं की नियुक्ति की जा रही है। उन्होंने सभी भोजनमाताओं से प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में आने की अपील की है।

गाडू घड़ा तेल कलश नरेन्द्र नगर को रवाना

चमोली : भगवान बदरी विशाल के अभिषेक के लिए तेल के पात्र तेल कलश गाडू घड़ा को डिम्मर गांव स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर से मंगलवार को नरेंद्र नगर को रवाना किया गया। सोमवार शाम गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा डिम्मर गांव स्थित लक्ष्मी नारायण पहुंचा। यहां पहुचने पर मंदिर में पूजा अर्चना की गई। मंगलवार को डिम्मर गांव के लक्ष्मी नारायण मंदिर में पूजा अर्चना और महाभिषेक के बाद बदरीनाथ के पुजारियों द्वारा गाडू घड़ा नरेन्द्र नगर को रवाना हुआ।

लक्ष्मी, यशोदा व राजेश्वरी सर्वश्रेष्ठ आशा सम्मान से हुई सम्मानित

एनएचएम के तहत आयोजित किया गया जिला स्तरीय आशा सम्मेलन व सम्मान समारोह

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत मंगलवार को जिला स्तरीय आशा सम्मेलन व सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान जिले में बेहतर कार्य करने वाली आशा, आशा फैसिलिटेटर व ब्लॉक समन्वयक को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

गोपेश्वर में आयोजित आशा सम्मेलन व सम्मान समारोह का शुभारंभ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सिमरनजीत कौर व मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजीव शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्राधिकरण की सचिव सिमरन जीत कौर ने कहा कि आशा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के रीढ़ के रूप में कार्य कर रही हैं। आशाओं के माध्यम से सरकारी योजनाओं का भी जमीनी स्तर पर बेहतर संचालन किया जा रहा है। कहा कि आशा सुरक्षित प्रसव, टीकाकरण जैसे आवश्यक कार्यों को कर समाज हित में कार्य कर रही हैं। सीएमओ डॉ. राजीव शर्मा ने स्वास्थ्य को लेकर आशा कार्यकत्रियों की भूमिका की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि आशाओं के

कार्य कौशल के चलते चमोली मातृ व शिशु मृत्यु दर सूचकांक में देश में सबसे अच्छे सूचकांक वाले जिलों में शामिल है। इस अवसर पर आशा कार्यकत्रियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी। इस दौरान मुख्य अतिथि ने वर्ष 2023-24 के लिये लक्ष्मी देवी (देवाल), यशोदा देवी (दशोली) व राजेश्वरी देवी (कर्णप्रयाग) को सर्वश्रेष्ठ आशा कार्यकत्री के सम्मान से सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ ब्लाक समन्वयक का पुरस्कार थराली ब्लाक के नाम रहा। मिल्की नेगी, अंजू असवाल व गीता गौड़ को सर्वश्रेष्ठ आशा फेसिलिटेटर के सम्मान से सम्मानित किया गाया। इस मौके अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उमा रावत, डॉ. एमएस खाती, डॉ. बीपी सिंह, डीपीएम नरेंद्र सिंह रावत, डीसी आईईसी उदय सिंह रावत, डीसीएम आशा कार्यक्रम अजय सिंह पुंडीर, डीईओ आशा कार्यक्रम अजय सिंह कुंवर आदि मौजूद थे।

विधायक ने किया घनियालधार-किमोली-नारायणबगड़ सड़क निर्माण का श्रीगणेश

चमोली : घनियालधार-किमोली-नारायण बगड़ मोटर मार्ग कटिंग का भूमि पूजन क्षेत्रीय विधायक अनिल नौटियाल ने किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि जनता की वर्षों पूरानी मांग अब पूरी हो गई है। सड़क के निर्माण के बाद यहां का सीधा संपर्क नारायण बगड़ प्रखड़ से हो जायेगा।

96.23 लाख रुपये की लगात से गैरसैंण प्रखंड की ओर से 3 किमी. मोटर मार्ग का निर्माण होगा। जबकि शेष मोटर मार्ग पर नारायण बगड़ प्रखंड की ओर से कार्य गतिमान है। बता दे कि वर्ष 1976-77 में स्वीकृत यह मोटर मार्ग वन अधिनियम की जद में आने के कारण लटकी हुई थी। वर्ष 2020 में इस मार्ग को वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार की स्वीकृति मिल गयी थी। अब इस मार्ग पर विधिवत कटिंग कार्य प्रारंभ होने से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। सड़क निर्माण के उद्घाटन अवसर पर अमर सिंह, मंगल नारायण, पूरन नेगी, मुकेश मठवाल सहित कई स्थानीय ग्रामीण एवं लोनिवि के कर्मी मौजूद रहे। (एजेंसी)

वॉल पेंटिंग के जरिए मतदाताओं को किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : लोकसभा सामान्य निर्वाचन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत मंगलवार को सड़क किनारे, प्रमुख चौराहों और दीवारों पर वॉल पेंटिग की गई। स्थानीय बोली, भाषा में लिखे स्लोगन और रंगीन वॉल पेंटिग लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है और मजबूत लोकतंत्र के लिए शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित कर रही है।

मुख्य विकास अधिकारी/स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अभिनव शाह ने बताया कि स्वीप गतिविधियों के लिए जनपद में प्रत्येक दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का रोस्टर निर्धारित किया गया है। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से भी मतदाताओं को जागरूक करते हुए शत प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। नए मतदाताओं को ईवीएम और वीवीपैट से वोट डालने के लिए गांव क्षेत्रों में ईवीएम पर हैड्सऑन कराया जा रहा है। मतदान में सबकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को जीआईसी गोपेश्वर के छात्रों ने शपथ ली। मतदान में शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जनपद में स्वीप गतिविधियों के तहत स्कूली बच्चों की रैली, चित्रकला प्रतियोगिता, साइकिल रैली, दीपोत्सव एवं सांस्कृतिक टीमों के माध्यम से गांव क्षेत्रों अनेक कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है और मतदाताओं को आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान में बढ़ चढ़कर वोट करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

विधायक ने गिनाए केंद्र सरकार के किए काम

रुद्रप्रयाग : भाजपा के गांव चलो अभियान में रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी ने रतूड़ा बूथ संख्या 130 में जनता से संवाद किया। यहां आयोजित चौपाल में उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा किए गए कार्यों को गिनाया साथ ही जन समस्याओं के निराकरण का भरोसा दिया।

गांव चलो अभियान एवं गांव में प्रवास कार्यक्रम को लेकर विधायक भरत सिंह चौधरी ने ग्रामीण मण्डल के रतूड़ा बूथ में प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि योजना अटल आयुष्मान योजना, गरीब कल्याण अन्न योजना के लाभार्थियों से संवाद किया। साथ ही योजनाओं को लेकर लाभार्थियों से फीडबैक लिया। इस मौके पर लाभार्थियों द्वारा बताया गया कि उनको सरकार की अनेक योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इससे उनके जीवन में बदलाव आया है। विधायक ने जनता की समस्याएं सुनी और जन शिकायतों पर कार्रवाई का भरोसा भी दिया। उन्होंने क्षेत्र में चल रही विकास कार्यों की जानकारी से भी जनता को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार व पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के माध्यम से क्षेत्र में अनेकों विकास कार्य संचालित हो रहे है।

कहा कि डबल इंजन की सरकार में हो रहे विकास कार्यों को देखते हुए आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत मिलेगी। उन्होंने जनता से भाजपा के पक्ष में शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में सहयोग देने का आह्वान किया। विधायक ने दीवार लेखन कार्यक्रम में भी प्रतिभाग किया। इस मौके पर कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र बिष्ट, ग्राम प्रधान लीला देवी, दुर्गा खंडूरी, सरला खंडूरी, सजंय नेगी, हरीश चौहान, मुन्नी देवी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे। (एजेंसी)

ढुंगीधार बूथ पर प्रवास कर योजनाओं की जानकारी दी

नगर संवाददाता

नई टिहरी : नई टिहरी मंडल की ओर से गांव चलो अभियान के तहत ढुंगीधार बूथ पर पर प्रवास कर मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रवास कर स्थानीय लोगों को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।

प्रवास कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गुरू प्रसाद चमोली ने कहा कि केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार आम लोगों की परेशानियों को लेकर हमेशा संवेदनशील है। जरूरत मंदों के लिए विभिन्न प्रकार की योजनायें चलाकर लाभान्वित करने का काम किया जा रहा है। देश के विकसित राष्ट्र बनाने के लिए मोदी की गारंटी योजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है। इस मौके पर नई टिहरी मंडल के प्रभारी कृष्णा कोठारी, नई टिहरी मंडल अध्यक्ष गोपी राम चमोली, लीला मखलोगा, धर्मा भंडारी, अनिता पैन्यूली, कमला चमोली, विनीत उनियाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता 16 को करेंगी प्रदर्शन

नगर संवाददाता

रुद्रप्रयाग : मानदेय में बढोतरी की मांग को लेकर जनपद की आंगनबाडी कार्यकर्ता/सेविका/मिनी कर्मचारी संगठन ने 16 फरवरी को मुख्यालय में धरना प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। ताकि सरकार पर दबाव बनाया जा सके। आंगनबाडी कार्यकर्ता/सेविका/मिनी कर्मचारी संगठन की जिलाध्यक्ष सुनीता देवी ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लगातार सरकार से मानदेय बढ़ाने की मांग करती आ रही है, किंतु अभी तक उनकी मांग पर कोई सरकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने न्यूनतम मजदूरी को देखते हुए 600 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 18000 मानदेय किया जाए साथ ही वरिष्ठता के आधार पर 15 वर्ष पूरे होने पर प्रतिवर्ष सबका मानदेय बढ़ा दिया जाए।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सेवानिवृत होने पर 2 लाख देने का प्रावधान रखा जाए, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। कहा कि इंटर पास होने के साथ ही सीनियर कार्मिकों को 50 वर्ष पूरे होने पर उनके मानदेय वृद्धि देने, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को गोल्डन कार्ड जारी किए जाएं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पोषण ट्रेकर के साथ ही स्वास्थ्य विभाग से जुड़े समस्त कार्य, पोलियो पिलाने, बीएलओ का काम पूरी निष्ठा से करते आ रहे है, किंतु फिर उनका मेहनताना नहीं मिल पा रहा है।

कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण की बात तो रही है, लेकिन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों को अनदेखा कर रही है। उन्होंने बताया कि अपनी मांगों को लेकर 16 फरवरी को जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने जनपद की सभी आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को आंदोलन में अपना सहयोग देने का आह्वान किया है। (एजेंसी)

टिहरी सांसद ने बेरगणी रामगांव में किया रात्रि प्रवास

नई टिहरी : सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह ने गांव चलो अभियान के तहत प्रताप नगर विधानसभा में थौलधार ब्लॉक के बूथ संख्या 133 बेरगणी रामगांव में रात्रि प्रवास किया। कार्यक्रम में केंद्र सरकार की संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी बूथ पर उपस्थित लाभार्थियों, भारतीय जनता पार्टी के बूथ स्तरीय सदस्यों और पार्टी के कार्यकर्ताओं को दी। इस मौके पर सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह ने कहा है की आज देश पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चौमुखी विकास कर रहा है। विश्व में भारत को विकसित देशों की पंक्ति में आजादी के बाद से आज अग्रिम पंक्ति में देखा जा रहा है, देश में ही नहीं विदेशों में भी पीएम मोदी की नीतियों की सराहना की जा रही है। पीएम मोदी जी का उद्देश्य है, कि देश में अंतिम छोर में खड़ा व्यक्ति भी केंद्र सरकार की योजनाओं से वंचित न रह जाए, पहाड़ से लेकर मैदान तक हर वर्ग विशेष के व्यक्ति को केंद्र सरकार की योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। आज गांव-गांव में पीएम मोदी के प्रति एवं मोदी की योजनाओं के प्रति खास कर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। पीएम मोदी का उत्तराखंड के प्रति एक विशेष लगाव हमेशा से ही रहा है। कार्यक्रम में बेरगनी रामगांव के बूथ अध्यक्ष मोहन सिंह नेगी, मंडल अध्यक्ष ऋषि भट्ट, जिला महामंत्री राजेंद्र जुयाल, जिला उपाध्यक्ष हर्ष मणी सेमवाल, मंडल उपाध्यक्ष शीशपाल राणा, कार्यक्रम संयोजक भगवान सिंह राणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र नेगी, प्रभासी धनपाल कठैत, पुष्पा देवी, गायत्री देवी, राधा देवी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

पहले प्रयास में नायब तहसीलदार बनें आशीष

नई टिहरी : नई टिहरी में रहने वाले जनपद टिहरी गढ़वाल के जाखणीधार ब्लाक के गौंसारी गांव निवासी आशीष गुंसाई ने पहले ही प्रयास में लोअर पीसीएस के नायब तहसीलदार पद के लिए परीक्षा पास की है। जिससे उनके परिजनों में खुशी का माहौल है। आशीष का चयन हाल ही में रेंजर के लिए भी हुआ है। जिसके लिए वे ज्वाईनिंग का इंतजार ही कर रहे थे, कि नायब तहसीलदार के लिए भी चयन हो गया। आशीष गुसांई ने बताया कि इस परीक्षा के लिए उन्होंने यूट्यूब से सेल्फ स्टडी की और इंटरव्यू की तैयारी देहरादून में कोचिंग इंस्टीट्यूट से की। पहले ही प्रयास में उनका सेलेक्शन लोअर पीसीएस के नायब तहसीलदार के लिए हुआ है। तैयारी में परिजनों सहित गुरूजनों का सहयोग व आशीर्वाद रहा है। पिता धर्म

सिंह गुसांई जाखणीधार प्राईमरी स्कूल में अध्यापक और माता मंजू देवी गृहिणी हैं। आशीष की शिक्षा-दीक्षा नई टिहरी के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज व एसआरटी परिसर से हुई है। कहना कि व्यक्ति के लिए परीक्षा पास करना कठिन नहीं है, यदि व परीक्षा के लिए प्रोपर तैयारी पूरी मेहनत से करे, तो सफलता निश्चित है। यूट्यूब को इसमें इन्होंने बहुत सहायक बताया। (एजेंसी)

सरदार संत सिंह की पुण्य तिथि मनाई

चमोली : उत्तराखंड राज्य आन्दोलन तथा राम जन्मभूमि आंदोलन के अग्रणी सिपाही सरदार संत सिंह की पुण्य तिथि पर भजन कीर्तन, सुखमनी पाठ और अरदास की गई। सरदार संत सिंह व्यापार संघ कर्णप्रयाग के संस्थापक सदस्यों में से एक तथा कर्णप्रयाग व्यापार संघ के पूर्व अध्यक्ष भी रहे। पुण्यतिथि पर व्यापार मण्डल कर्णप्रयाग के अध्यक्ष बीरेन्द्र मिंगवाल ने कहा सभी व्यापारी और नागरिक सरदार संत लूथरा को सदैव याद रखेंगे। सरदार संत सिंह ने कर्णप्रयाग में रामलीला अनुष्ठान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुण्य तिथि पर आयोजित भजन कीर्तन, सुखमनी साहिब पाठ भंडारा के अवसर पर पुष्पा देवी लूथरा, प्रताप सिंह लूथरा, जगमोहन सिंह लूथरा, हरनाम सिंह लूथरा, महेंद्र सिंह लूथरा समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे। (एजेंसी)

पूर्व सैनिक एकजुटता से कार्य करें

श्रीनगर गढ़वाल : पूर्व सैनिक सेवा कल्याण समिति श्रीकोट गंगानाली ने संगठन का 14वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर संगठन की नींव रखने वाले संगठन के प्रथम अध्यक्ष हयात सिंह झिक्वांण और सच्चिदानंद शैली को सम्मानित किया गया।संगठन के पूर्व अध्यक्ष हयात सिंह झिक्वांण ने सभी पूर्व सैनिकों से एकजुटता से कार्य करने का आह्वान किया। इस दौरान पूर्व सैनिक सर्वेश्वर सिंह एवं संदीप सिंह को संगठन की सदस्यता लेने पर सम्मानित किया गया।

मेडिकल, पैरामेडिकल, स्वरोजगार में करियर की अपार संभावनाएं

छात्र-छात्राएं रूचि, योग्यता के अनुसर कैरियर चुनें

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : द्वारीखाल ब्लॉक के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज किनसुर में करियर काउंसलिंग एंड गाइडेंस फॉर गर्ल्स कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर छात्राओं को मेडिकल समेत विभिन्न क्षेत्रों में करियर की संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि मेडिकल, पैरामेडिकल, स्वरोजगार समेत विभिन्न क्षेत्रों में करियर की अपार संभावना है। इन प्रतियोगिताओं में बालिकाएं अपनी मेहनत से सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चीफ फार्मेसिस्ट राहुल लखेड़ा राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किनसुर, डॉ. ऋषि रावत, अजय रावत राजकीय चिकित्सालय डाडामंडी व गोपाल सिंह प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज किनसुर ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि 12वीं के छात्र-छात्राएं अपनी रुचि, योग्यता के

मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए राजकीय इंटर कॉलेज किनसुर के शिक्षक।

अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर बना सकती हैं। इस मौके पर छात्राओं को करियर के लिए आवश्यक योग्यता, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बारे में जानकारी दी गई।

डॉ. ऋषि रावत ने मेडिकल को करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विभिन्न कोर्स के बारे में छात्राओं को विस्तृत रूप से बताया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य गोपाल सिंह ने बच्चों को अनेक क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने, शिक्षिका ऋचा ध्यानी ने शिक्षा के क्षेत्र में करिअर बनाने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका ऋचा ध्यानी ने किया। इस अवसर पर शिक्षक संजय कुमार, रूपेश कुकरेती सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

डीएम ने की जेजेएम के कामों की समीक्षा

नई टिहरी : जिला सभागार में आयोजित बैठक में डीएम मयूर दीक्षित ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) के कार्यों की भौतिक प्रगति, वित्तीय प्रगति, पुनरीक्षण आंगणन, स्वीकृत कार्यों के सापेक्ष बचत, एफएचटीसी प्रगति, हर घर जल सर्टिफिकेशन एवं रिपोर्टिंग, जीओ टैगिंग की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को जेजेएम को जमीन पर उतारने की हिदायत दी। इस मौके पर डीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी से प्रगति लाते हुए माह फरवरी के अंत तक कार्य पूर्ण करने को कहा। हर घर जल सर्टिफिकेशन में कम प्रगति वाले स्थलों पर ग्राम सभा स्तरीय बैठक का रोस्टर बनाकर आचार संहिता से पहले बैठक आहूत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही फेज एक के कार्य जल्द पूर्ण करने, जीओ टैगिंग के कार्यों में तेजी लाने, पोलिंग बूथ स्कूलों में नल कनेक्शन चेक करने तथा पुनरीक्षित आंगणन में सभी आवश्यक प्रपत्र संलग्न कर मितव्ययता के साथ उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में एसई पेयजल निगम आलोक कुमार, ईई जल संस्थान प्रशांत भारद्वाज, नरेश पाल, जीतमणि, पेयजल निगम केएन सेमवाल आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

नशा मुक्त समाज निर्माण के लिए सामूहिक जागरूकता जरूरी

नई टिहरी : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय नई टिहरी की पहल पर नशा मुक्ति विषय पर जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई। शराब नहीं, संस्कार दो अभियान के प्रणेता सुशील बहुगुणा ने युवाओं को नशा मुक्ति को शपथ दिलाई। छात्र-छात्राओं की ओर से शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी। वक्ताओं ने कहा कि योग ध्यान करके नशा मुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। बौराड़ी में स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आयोजित नशा मुक्ति गोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन्स जज प्रदीप मिश्रा, सिविल जज अविनाश कुमार श्रीवास्तव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव आलोक राम त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि शराब नहीं

संस्कार अभियान के प्रणेता सुशील बहुगुणा, ब्रह्म कुमार मेहर चन्द ने दीप प्रज्वलित कर किया। वक्ताओं ने युवाओं से कहा की नियमित रूप से ध्यान योग करके नशे से दूर रहा जा सकता है। नशा समाज को खोखला कर रहा हैं। समाज में बढ़ते अपराधों का एक प्रमुख कारण नशा भी है। नशा मुक्त समाज निर्माण के लिए सामूहिक जागरुकता जरूरी है। इस मौके पर अनुसूया प्रसाद नौटियाल, कुंवर सिंह सजवाण, चंद्र सिंह नेगी, ब्रह्म कुमारी नीलम, अनिता आदि मौजूद रहे।

भल्ड गांव के छूटे परिवारों के विस्थापन की उठाई मांग

नई टिहरी : जनपद के भल्ड गांव के छूटे परिवारों का विस्थापन करवाने की मांग सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह और डीएम से की। जिस पर सांसद के निर्देश पर डीएम मूयर दीक्षित ने मामले में उचित कार्यवाही का भरोसा ग्रामीणों के लिए दिया।

भल्ड गांव के सामाजिक कार्यकर्ता कमलू ने मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट पहुंची सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह और डीएम मयूर दीक्षित को ज्ञापन सौंपकर बताया कि भल्ड गांव बांध परियोजना से आंशिक प्रभावित गांव है। गांव में 75 प्रतिशत एससी और 25 प्रतिशत सामान्य परिवार निवास करते हैं। गांव के पंद्रह परिवारों को विस्थापित कर दिया गया है। जबकि 35 परिवारों को छोड़ दिया गया है। झील का जल स्तर बढ़ने व घटने से भल्ड गांव के मकानों में निरंतर दरारें आ रही हैं। पूर्व में ग्रामीणों ने विस्थापन के लिए आंदोलन भी किया था, लेकिन डीएम के आश्वासन पर आंदोलन समाप्त किया गया। लेकिन आज तक इसमें कोई कार्यवाही नहीं हुई है। छूटे परिवारों का विस्थापन किया जाना जरूरी है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो ग्रामीण एक बार फिर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जिस पर सांसद व डीएम ने उचित कार्यवाही का भरोसा दिया। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई-टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। घरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. Date	291-DRM-MB-23-24 dt. 12.02.2024
Name of work	Yard Remodeling work in Connection with Common user traffic facilities for GCT to be developed entirely on Railway land at DLP under ADEN/HQ/MB.
Tender Closing Date / Time	07.03.2024 16:00
Advertised Value (Rs.)	Rs. 1,35,12,447.19
Earnest Money (Rs.)	Rs. 2,17,600.00
Bidding Start Date	22.02.2024
Period of Completion	04 Months

सं.: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 12.02.2024 475/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469 / 79

फोन / फैक्स 01382—222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com